2018

HINDI

(Elective)

Paper : 5.1

(Hindi Sahitya Ka Itihas)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) हिन्दी साहित्य के आदिकाल को 'सिद्ध-सामंत काल' नाम किसने दिया है?

(ख) 'दोहाकोश' किसकी रचना है?

(ग) 'गोरख बानी' में किसकी रचनाएँ संकलित हैं?

(घ) 'बीसलदेव रासो' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ङ) कबीरदास की रचनाओं के संग्रह का क्या नाम है?

(च) सूरदास के गुरु का नाम लिखिए।

(छ) 'रामचरितमानस' किसकी रचना है?

(ज) कवि केशवदास का जन्म-सन् लिखिए।

(झ) रीति-सिद्ध कवि किसे कहा जाता है?

(ञ) कवि हरिश्चंद्र को भारतेन्दु की उपाधि कब मिली?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) आदिकालीन किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) किन्हीं दो संत कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

(ग) तुलसीदास की प्रामाणिक कृतियों की संख्या का उल्लेख करते हुए किन्हीं दो के नाम लिखिए।

(घ) किन्हीं दो रीतिबद्ध कवियों की एक-एक पुस्तक का नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) छायावाद के चार प्रतिनिधि हस्ताक्षर कौन-कौन हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 5×4=20

(क) आदिकालीन राजनैतिक परिस्थिति पर प्रकाश डालिए।

(ख) कृष्ण भक्त कवि सूरदास पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) कवि घनानंद के योगदान की चर्चा कीजिए।

(ङ) भारतेन्दु-मंडल के कवियों की देन पर प्रकाश डालिए।

(च) जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक योगदान की चर्चा कीजिए।

4. आदिकाल की प्रवृत्तियों के बारे में विश्लेषण कीजिए। 10

अथवा

आदिकाल के नामकरण की समस्या पर प्रकाश डालिए।

5. भक्तिकाल की सामान्य प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए। 10

अथवा

रामभक्ति-परम्परा में तुलसीदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

6. रीतिकालीन सामाजिक-साहित्यिक परिस्थितियों के बारे में लिखिए। 10

अथवा

रीतिकालीन काव्य-प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

7. भारतेन्दुयुगीन काव्य की विशेषताएँ लिखिए। 10

अथवा

आधुनिककालीन हिन्दी काव्य-जगत् में छायावाद की देन पर प्रकाश डालिए।

★ ★ ★